भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 19 नवंबर, 2026
जारी करने का समय:1355 घंटे

विषय: (i) भीषण चक्रवाती तूफान "अकवान" [उच्चारण: अकवान] उत्तर की ओर बढ़ा है और आज, 19 नवंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) यह पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के उसी क्षेत्र में केंद्रित था। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 20 नवंबर 2026 की दोपहर तक उत्तरी आंध्र प्रदेश और यनम तथा दक्षिणी ओडिशा के तटों को पार करने की संभावना है। यह नरसपुर और पुरी के बीच, गोपालपुर के पूर्व के पास से गुजरेगा। इस दौरान हवा की निरंतर गति 90-100 किमी प्रति घंटा होगी, जो झोंकों के साथ 110 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।
(ii) इस प्रणाली के प्रभाव के कारण, 19 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, तथा 19-20 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 19 नवंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक, पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज किया गया मौसम:

- पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता < 200 मीटर) रहने की संभावना है।
- दर्ज की गई दृश्यता (< 200 मीटर): पूर्वी उत्तर प्रदेश: बलिया (OBS)-30, आजमगढ़ (AMS) और अयोध्या (AMS)-50।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (परिशिष्ट I और II):

- कल दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक भीषण चक्रवाती तूफान "अकवान" [उच्चारण: अकवान] मौजूद था। यह उत्तर की ओर बढ़ा और 18 नवंबर को 2330 बजे IST पर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के केंद्र में स्थित था। आज, 19 नवंबर 2026 को 0830 बजे IST पर, यह उसी क्षेत्र में, लगभग 14.9°N अक्षांश और 85.3°E देशांतर के पास स्थित था। यह नरसपुर (आंध्र प्रदेश) से लगभग 420 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, कलिंगपट्टनम (आंध्र प्रदेश) से 400 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, गोपालपुर (ओडिशा) से 490 किमी दक्षिण, पुरी (ओडिशा) से 550 किमी दक्षिण और चेन्नई (तमिलनाडु) से 590 किमी पूर्व-उत्तर-पूर्व में स्थित है। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 20 नवंबर 2026 की दोपहर तक नरसपुर और पुरी के बीच (गोपालपुर के पूर्व के पास) उत्तरी आंध्र प्रदेश, यनम और दक्षिणी ओडिशा के तटों को पार करने की संभावना है। इस दौरान हवा की अधिकतम गति 90-100 किमी प्रति घंटा होगी, जो झोंकों के साथ 110 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।
- निचले क्षोभमंडल (lower tropospheric levels) में, पूर्वोत्तर असम और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' (ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण) मौजूद है।
- निचले क्षोभमंडल में, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और उससे सटे दक्षिणी लक्षद्वीप क्षेत्र में एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' मौजूद है।
- निचले क्षोभमंडल में, पूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक 'अपर एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन' मौजूद है।
- मध्य क्षोभमंडल में एक कमजोर 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) एक 'ट्रफ' के रूप में मौजूद है। इसकी धुरी (axis) मध्य क्षोभमंडल में है और यह लगभग 75°E देशांतर के साथ, 33°N अक्षांश के उत्तर की ओर स्थित है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 19 से 25 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल और माहे, रायलसीमा तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 25 नवंबर को तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप में; 24 से 25 नवंबर के बीच दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; और 20 से 21 नवंबर के बीच तेलंगाना में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 19 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (80-90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।
- 23 से 25 नवंबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; और 23 नवंबर को रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- 23 से 25 नवंबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 20 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं।
- 19 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- 20 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में आंधी-तूफान (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे, जो 80 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 19 से 25 नवंबर के बीच अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 20 से 23 नवंबर के बीच उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 22 से 23 नवंबर के बीच गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल (गैंगेटिक वेस्ट बंगाल) में; 19 नवंबर तथा 22 से 23 नवंबर के बीच झारखंड में; 21 से 22 नवंबर के बीच बिहार में; और 21 से 23 नवंबर के बीच ओडिशा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 19 से 21 नवंबर के बीच गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 20 से 21 नवंबर के बीच झारखंड में; और 19 से 20 नवंबर के बीच ओडिशा में काफी व्यापक से लेकर व्यापक स्तर पर बारिश होने की संभावना है। 19-20 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; और 21 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 20-21 नवंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 21 नवंबर को बिहार और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; तथा 19-20 नवंबर के दौरान झारखंड में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 21 नवंबर को दक्षिण-पूर्वी बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में; तथा 19 और 21 नवंबर को झारखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही, 19-20 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; और 20 नवंबर को झारखंड में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- 19-20 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- 19-20 नवंबर के दौरान ओडिशा में आंधी-तूफान (हवा की गति 70-80 किमी प्रति घंटा, जो 90 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।

मध्य भारत:

- 21-22 नवंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 20-22 नवंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 20-21 नवंबर के दौरान विदर्भ में; तथा 19 नवंबर और 22-25 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 20-21 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी बड़े हिस्से से लेकर व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- 20-21 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। वहीं, 20-22 नवंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने के आसार हैं।

- 20-21 नवंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 19-25 नवंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में; और 21-25 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 19-20 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके से लेकर व्यापक स्तर तक बारिश होने की संभावना है।
- 19-21 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 21 नवंबर को असम और मेघालय में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने के आसार हैं।
- 19-20 नवंबर के दौरान असम और मेघालय में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 20 नवंबर को असम और मेघालय में; और 19-21 नवंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 21 नवंबर को असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

कोहरे की चेतावनी:

- 19 नवंबर और 22-23 नवंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 20-22 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; तथा 21-23 नवंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

हवा को लेकर चेतावनी:

- दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी: दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्सों में 60-70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। यह स्थिति 19 नवंबर की आधी रात तक बनी रहने की संभावना है, जिसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: यहां 90-100 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 110 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। यह स्थिति 20 नवंबर की दोपहर को तूफान के तट से टकराने (लैंडफॉल) तक बनी रहेगी, जिसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी: यहां 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। 19 नवंबर की दोपहर से इन हवाओं की गति धीरे-धीरे कम होने लगेगी।
- उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी: यहां 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। 19 नवंबर की सुबह से 20 नवंबर की दोपहर तक इन हवाओं की गति बढ़कर 70-80 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा तक) होने की संभावना है, जिसके बाद इनकी गति कम हो जाएगी।
- उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों के पास: 19 नवंबर को 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जो झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। इसके बाद हवा की गति कम हो जाएगी।
- उत्तरी आंध्र प्रदेश और यनम के तटों के पास: 19 नवंबर की दोपहर से 60-70 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 19 नवंबर की आधी रात से 20 नवंबर की दोपहर को तूफान के तट से टकराने (लैंडफॉल) तक हवा की गति 90-100 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 110 किमी/घंटा तक) हो सकती है, जिसके बाद यह धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- दक्षिणी ओडिशा के तटों के पास: यहां 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। 19 नवंबर की आधी रात से 20 नवंबर की दोपहर तक इन हवाओं की गति बढ़कर 70-80 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा तक) होने की संभावना है, जिसके बाद इनकी गति कम हो जाएगी। उत्तरी ओडिशा, दक्षिणी आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल के तटों के पास और उनसे दूर: 19 नवंबर की दोपहर से 20 नवंबर की दोपहर तक

50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। इसके बाद हवा की गति कम हो जाएगी।

समुद्र की स्थिति:

- दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी का उत्तरी हिस्सा: समुद्र में अभी काफी उथल-पुथल है। 19 नवंबर की आधी रात तक स्थिति और खराब होकर 'बहुत अधिक उथल-पुथल' (high to very high) वाली हो सकती है, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।
- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: समुद्र में अभी बहुत अधिक उथल-पुथल है; 20 नवंबर को तूफान के तट से टकराने (landfall) तक यही स्थिति बनी रहने की संभावना है। इसके बाद स्थिति में सुधार आएगा और 21 नवंबर की सुबह तक यह 'काफी उथल-पुथल' (rough to very rough) वाली स्थिति में आ जाएगी।
- पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी: 19 नवंबर की दोपहर तक समुद्र में उथल-पुथल (rough to very rough) रहने की संभावना है, जिसके बाद स्थिति में सुधार आएगा।
- उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी: 19 नवंबर की दोपहर तक समुद्र में उथल-पुथल (rough to very rough) रहने की संभावना है। 19 नवंबर की दोपहर से 20 नवंबर की दोपहर तक स्थिति और गंभीर (high) हो सकती है, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।
- उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों के पास और उनसे दूर: 20 नवंबर तक समुद्र में काफी उथल-पुथल (rough to very rough) रहने की प्रबल संभावना है।
- उत्तरी आंध्र प्रदेश और यनम के तटों के पास और उनसे दूर: 19 नवंबर की दोपहर तक समुद्र में काफी उथल-पुथल (high) है। 19 नवंबर की आधी रात से 20 नवंबर की दोपहर को तूफान के तट से टकराने (landfall) तक स्थिति और गंभीर (high to very high) हो सकती है, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।
- दक्षिणी ओडिशा के तटों के पास और उनसे दूर: समुद्र में अभी काफी उथल-पुथल (rough to very rough) है। 19 नवंबर की आधी रात से 20 नवंबर की दोपहर तक स्थिति और गंभीर (high) हो सकती है, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।
- उत्तरी ओडिशा, दक्षिणी आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल के तटों से सटे इलाकों के पास और उनसे दूर: समुद्र में अभी उथल-पुथल (rough) है। 19 नवंबर की दोपहर से 20 नवंबर की दोपहर को तूफान के तट से टकराने (landfall) तक स्थिति और गंभीर (very rough to high) हो सकती है, जिसके बाद धीरे-धीरे सुधार आएगा। तूफानी लहर (स्टॉर्म सर्ज) की चेतावनी:
- लैंडफॉल (तूफान के तट से टकराने) के समय, खगोलीय ज्वार (एस्ट्रोनॉमिकल टाइड) के स्तर से 0.5 से 1.0 मीटर ऊंची तूफानी लहरें आ सकती हैं। इससे आंध्र प्रदेश के निचले इलाकों (पश्चिम गोदावरी, कोनासीमा, काकीनाडा, विजयनगरम, श्रीकाकुलम और विशाखापत्तनम जिले) और ओडिशा के दक्षिणी तटीय इलाकों (गंजम और पुरी जिले) में पानी भर सकता है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- 20 नवंबर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से।
- 21 नवंबर की सुबह तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी।
- 19 नवंबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी।
- 21 नवंबर की सुबह तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

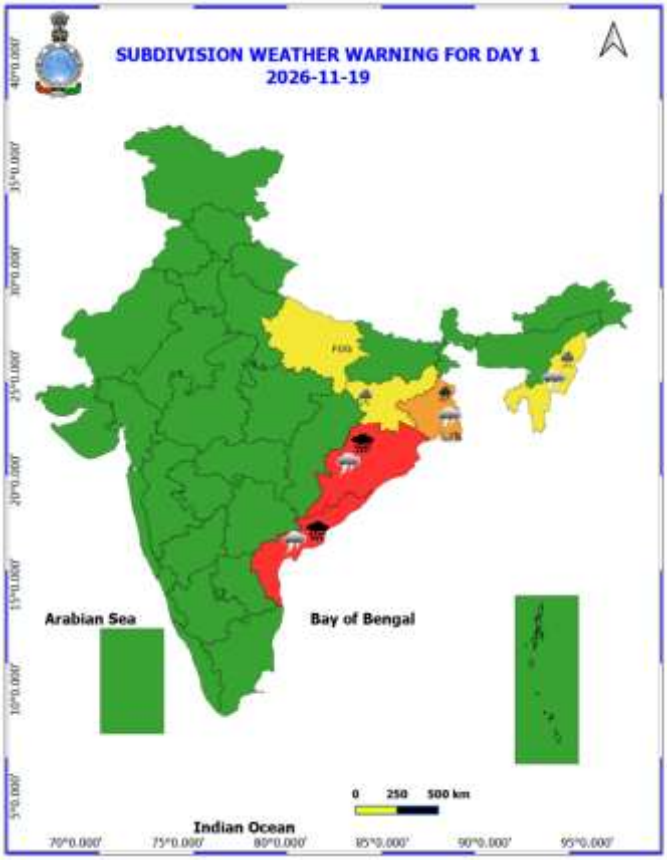
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

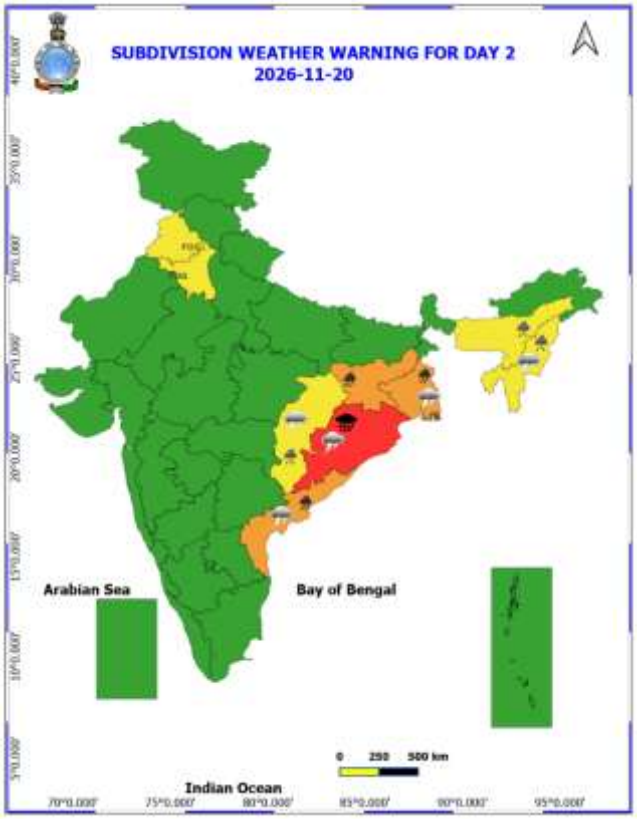
अनुलग्नक I

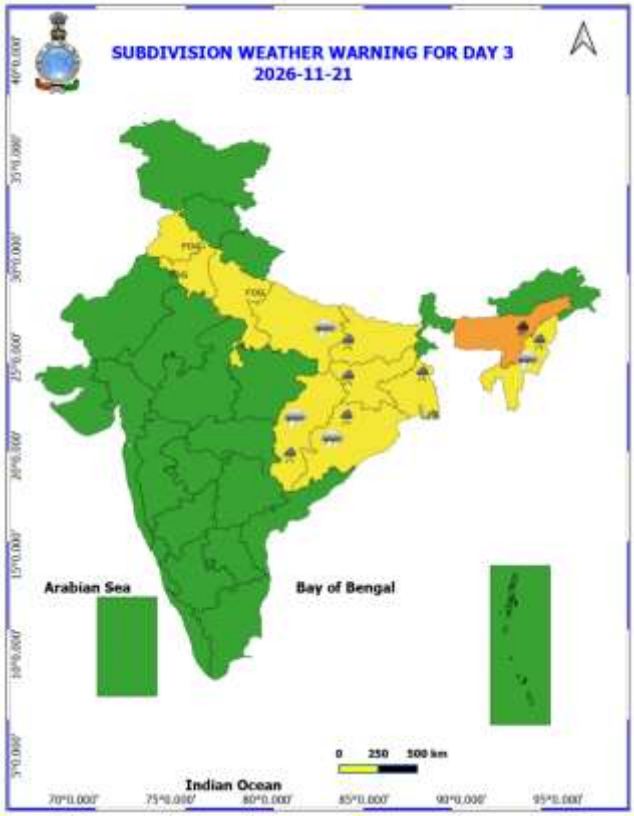
Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	19- Nov	20- Nov	21- Nov	22- Nov	23- Nov	24- Nov	25- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY
7	ODISHA	WS	WS	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
8	JHARKHAND	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	DRY	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT

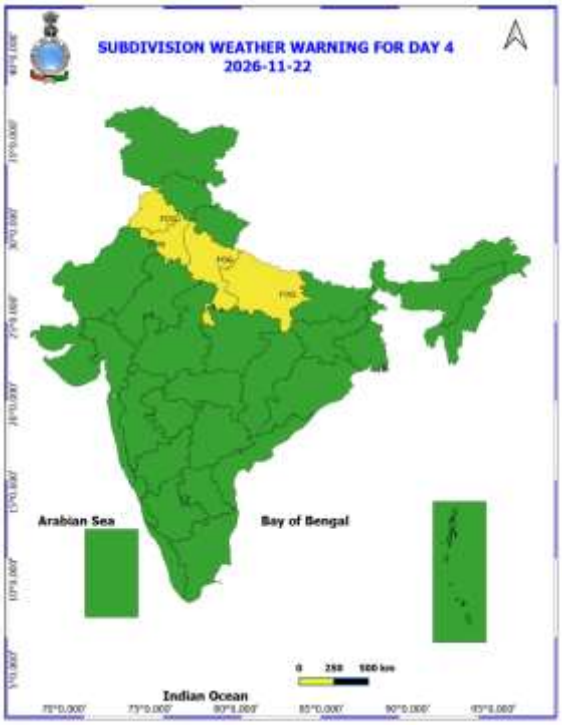
- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

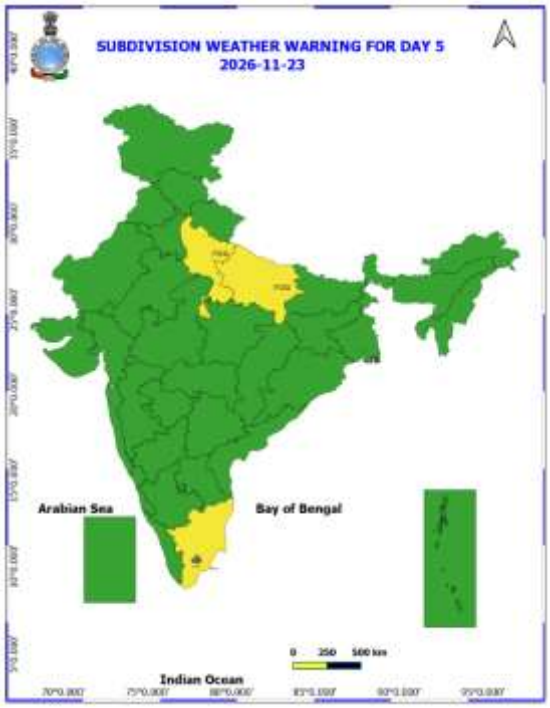
अनुलग्नक II

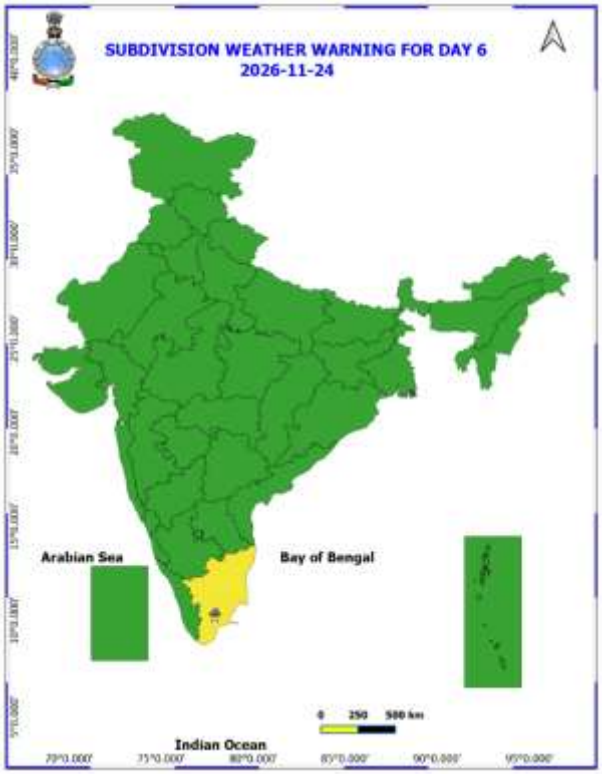

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-11-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

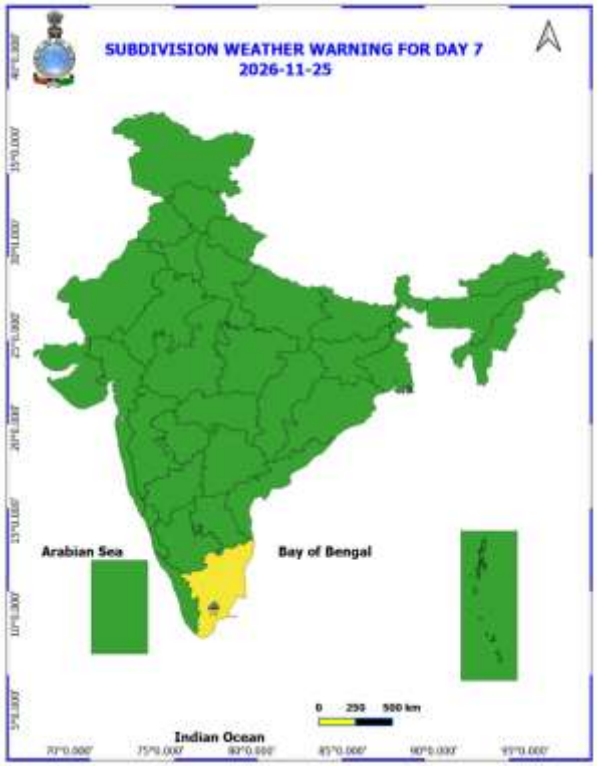

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-11-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km


SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-11-21
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km









/

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

19 नवंबर से 22 नवंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR के लिए मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है, जबकि न्यूनतम तापमान में 1-2°C की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 25-28°C और न्यूनतम तापमान 11-13°C के बीच रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान, दिल्ली के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहा, जबकि बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। इसी तरह, पिछले 24 घंटों में दिल्ली के कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहा, और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और पश्चिमी दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चलीं। आज सुबह के समय भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक की गति से हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

19.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25-27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.5°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 15 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है।

20.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय ज्यादातर जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25°C से 27°C और न्यूनतम तापमान 11°C से 13°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने की उम्मीद है। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवाओं की गति बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 05 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

21.11.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय ज्यादातर जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25°C से 27°C और न्यूनतम तापमान 13°C से 15°C के बीच रहने की उम्मीद है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवाओं की गति घटकर 08 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवाओं की गति बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

22.11.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर धुंध या हल्का कोहरा रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25°C से 27°C और न्यूनतम तापमान 12°C से 14°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6°C से 3.0°C अधिक रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहने की उम्मीद है। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 08 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है और इसकी दिशा उत्तर की ओर हो सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति 05 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है, जो उत्तर-पूर्व दिशा से आएगी।

अत्यधिक/ बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 19 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, तथा 19-20 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- इसके अलावा, 19-20 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; 20 नवंबर को झारखंड में; 20 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; तथा 21 नवंबर को असम और मेघालय में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

रात/सुबह के समय घने कोहरे का असर होने की संभावना:

- 19 नवंबर और 22-23 नवंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 20-22 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; तथा 21-23 नवंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

- परिवहन और विमानन:
  - इस क्षेत्र के कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेल मार्गों पर असर पड़ सकता है।
  - कोहरे के कारण गाड़ी चलाना मुश्किल हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
  - अगर सावधानी नहीं बरती गई, तो सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

- बिजली क्षेत्र:
  - बहुत घने कोहरे वाले इलाकों में बिजली की लाइनें ट्रिप (बंद) हो सकती हैं।
- मानव स्वास्थ्य:
  - फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं: घने कोहरे में धूल-कण और अन्य प्रदूषक तत्व होते हैं। इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो सकते हैं, जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता कम हो जाती है। इससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।
  - अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के मरीजों पर असर: घने कोहरे के लंबे समय तक संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से जुड़ी अन्य बीमारियों वाले लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

•आंखों में जलन: घने कोहरे में कई तरह के प्रदूषक तत्व होते हैं। इनके संपर्क में आने से आंखों की झिल्ली में जलन हो सकती है, जिससे संक्रमण हो सकता है और आंखें लाल हो सकती हैं या उनमें सूजन आ सकती है।

सुझाए गए उपाय:

- परिवहन और विमानन:
  •गाड़ी चलाते समय या किसी भी वाहन से यात्रा करते समय सावधानी बरतें।
  •गाड़ी चलाते समय फॉग लाइट्स (कोहरे में इस्तेमाल होने वाली लाइटें) का उपयोग करें।
  •अपनी यात्रा के शेड्यूल के बारे में एयरलाइंस, रेलवे और राज्य परिवहन विभाग के संपर्क में रहें।
- बिजली क्षेत्र:
  •मेंटेनेंस टीम को तैयार रखें।
  •मानव स्वास्थ्य: जब तक बहुत जरूरी न हो, बाहर न निकलें और बाहर जाते समय अपना चेहरा ढक कर रखें।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- तटीय आंध्र प्रदेश में, रबी फसलों जैसे मूंग, उड़द, मक्का, रागी और सनई की बुआई को टाल दें। धान, अरहर, कपास, मक्का, गन्ना, हल्दी, अदरक, रामतिल (नाइजर), राजमा, रागी और सब्जियों के खेतों, साथ ही केले के बागानों और पहले से बोई गई रबी फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जरूरी इंतजाम करें। तेज हवाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए केले, कॉफी, काली मिर्च और अन्य बागानी फसलों को उचित सहारा (सपोर्ट) दें।
- ओडिशा में, रबी फसलों जैसे सरसों, तोरिया, मूंगफली, सूरजमुखी, मूंग, उड़द, चना और मसूर की बुआई को टाल दें। टमाटर, मिर्च और बैंगन जैसी सब्जियों की नर्सरियों को, यदि संभव हो, तो प्लास्टिक कवर या पॉलीथीन शीट से ढक दें। धान के खेतों, सब्जियों की नर्सरियों और हाल ही में बोई गई रबी फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। केले और पपीते जैसी फसलों को सहारा दें। सब्जियों की बेलों या पौधों को मजबूत डंडों (स्टेकिंग) से सहारा देने का इंतजाम करें।
- गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, तैयार 'अमन' धान की तुरंत कटाई कर लें और कटी हुई फसल को किसी सुरक्षित, ऊंचे और ढके हुए स्थान पर रखें, या फिर खेत में ही फसल का ढेर लगाकर उसे पॉलीथीन से अच्छी तरह ढक दें। बैंगन, पपीता और केले के पके फलों की तुड़ाई कर लें। खड़ी फसलों, सर्दियों की सब्जियों और पान के बगीचों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित इंतजाम करें। सरसों, रेपसीड, मसूर और आलू जैसी रबी फसलों के लिए खेत तैयार करने और बुआई करने का काम टाल दें। बीन्स (फलियों) और लौकी-कद्दू (लौकी वर्गीय) जैसी बेल वाली सब्जियों के लिए मचान (ट्रेलिस) को मजबूत करें।
- झारखंड में, अरहर और देर से बोई गई लंबी अवधि वाली धान की फसल की कटाई को टाल दें। जो फसल पहले ही काटी जा चुकी है, उसे जल्द से जल्द किसी सुरक्षित और सूखी जगह पर रख दें। गेहूं, सरसों, रेपसीड और सब्जियों की बुआई को टाल दें। सब्जियों की नर्सरियों, आलू और दलहनी फसलों के खेतों में पानी की निकासी (ड्रेनेज) की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। टमाटर, मिर्च और बैंगन जैसी सब्जियों की फसलों को डंडों (स्टेकिंग) का सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं।
- छत्तीसगढ़ में, धान की कटी हुई फसल को जल्द से जल्द किसी सुरक्षित और ऊंचे स्थान पर रख दें। रबी फसलों, जैसे चना, गेहूं, सरसों और सब्जियों (फूलगोभी, ब्रोकली, चुकंदर, देर से बोई जाने वाली खीरा और करेला) की बुआई को टाल दें। जिन खेतों में फसलें खड़ी हैं, वहां से अतिरिक्त पानी निकालने का इंतजाम करें। केले और टमाटर के पौधों को सहारा दें; इसी तरह करेला, लौकी और कद्दू वर्गीय अन्य बेल वाली सब्जियों को भी सहारा दें।

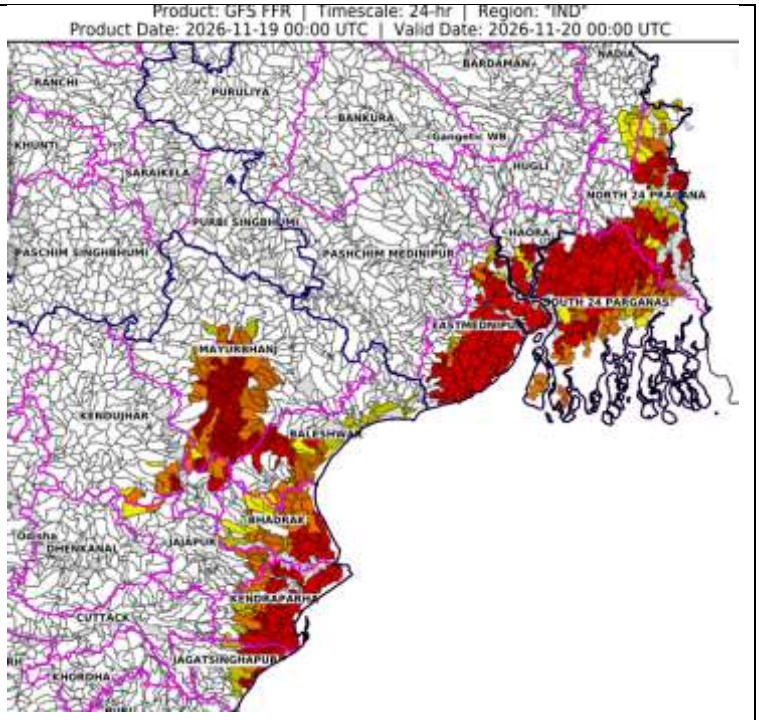
आंधी-तूफान / तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह:

- कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही उसे तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को अच्छी तरह बांधकर ढक दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे अपनी जगह से हट न जाएं या उड़ न जाएं।
- बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें। सब्जियों और छोटे फलों के पौधों को खंभे या डंडे (स्टेकिंग) लगाकर सहारा दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे गिर न जाएं।

भारी बारिश के संभावित प्रभाव को देखते हुए पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन के लिए सलाह:

- ❖ भारी बारिश के दौरान पशुओं को शेड (बाड़े) के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- ❖ पशुओं के चारे और दाने को सुरक्षित जगह पर रखें ताकि वे खराब न हों।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली लगाकर पानी निकासी का रास्ता बनाएं, ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल सके और पानी ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल जाएं।

अचानक आई बाढ़ की चेतावनी:

20-11-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का जोखिम: अगले 24 घंटों के दौरान, नीचे बताए गए मौसम उप-मंडलों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ आने का मध्यम जोखिम है। ओडिशा: जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, भद्रक, बालासोर, मयूरभंज, क्योंझरगढ़ और जाजपुर जिले। गैंगेटिक पश्चिम बंगाल: पूर्वी मिदनापुर, हावड़ा, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और नदिया जिले। अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंताजनक क्षेत्रों' (Area of Concern - AoC) में, पूरी तरह से पानी से संतृप्त (saturated) मिट्टी वाले स्थानों और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।	

संकेत और संक्षिप्त नाम:

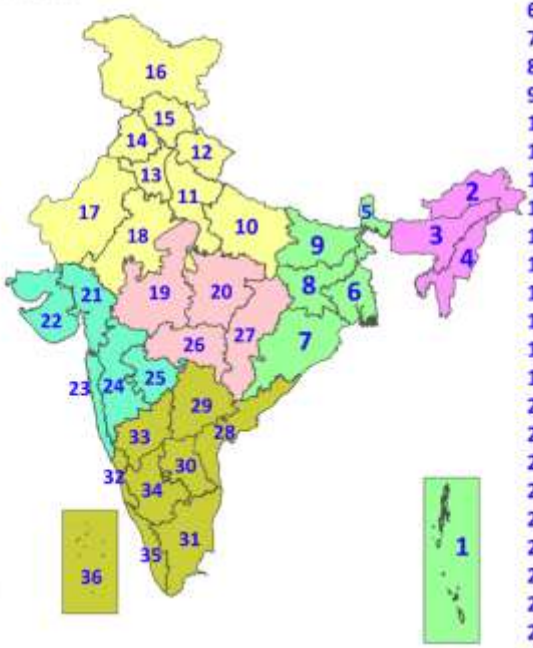
- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)